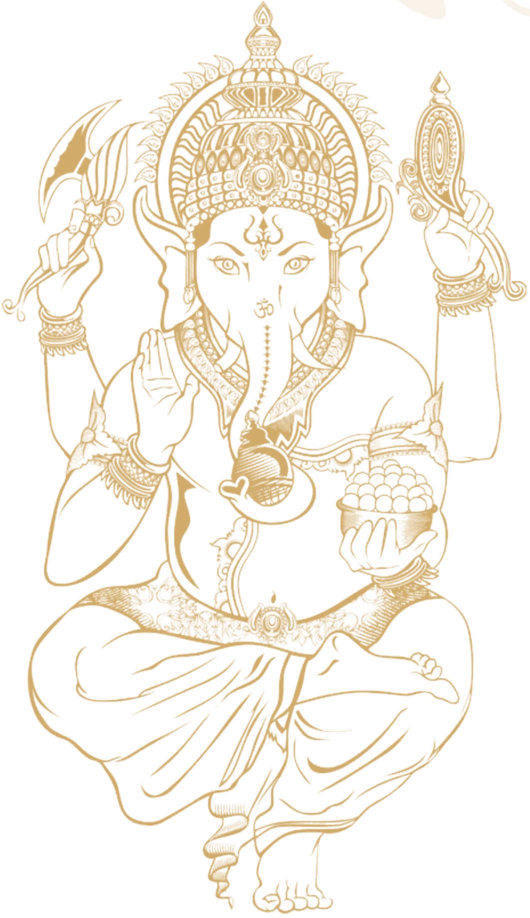

Mr. Raushan Kumar Mishra

20 Dec 2001

05:45 PM

Ara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121433605

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/12/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:45:00 घंटे**
इष्ट	28:00:31 घटी
स्थान	**Ara**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:34:00 उत्तर
रेखांश	84:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:08:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:53:40 घंटे
वेलान्तर	00:02:27 घंटे
साम्पातिक काल	23:50:16 घंटे
सूर्योदय	06:32:47 घंटे
सूर्यास्त	17:05:10 घंटे
दिनमान	10:32:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:48:01 धनु
लग्न के अंश	14:43:52 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वज्र
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:43:52	321:21:12	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			धनु	04:48:01	01:01:06	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	09:08:45	11:54:20	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			कुंभ	14:35:26	00:43:54	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
बुध		अ	धनु	13:32:08	01:35:17	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	18:19:03	00:07:44	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	28:49:21	01:15:31	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि	व		वृष	16:14:53	00:04:32	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	03:15:51	00:00:22	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	03:15:51	00:00:22	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष			मक	28:04:58	00:02:23	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	13:11:06	00:01:53	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:44:01	00:02:16	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
दशम भाव			मीन	03:27:49	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:47

लग्न-चलित

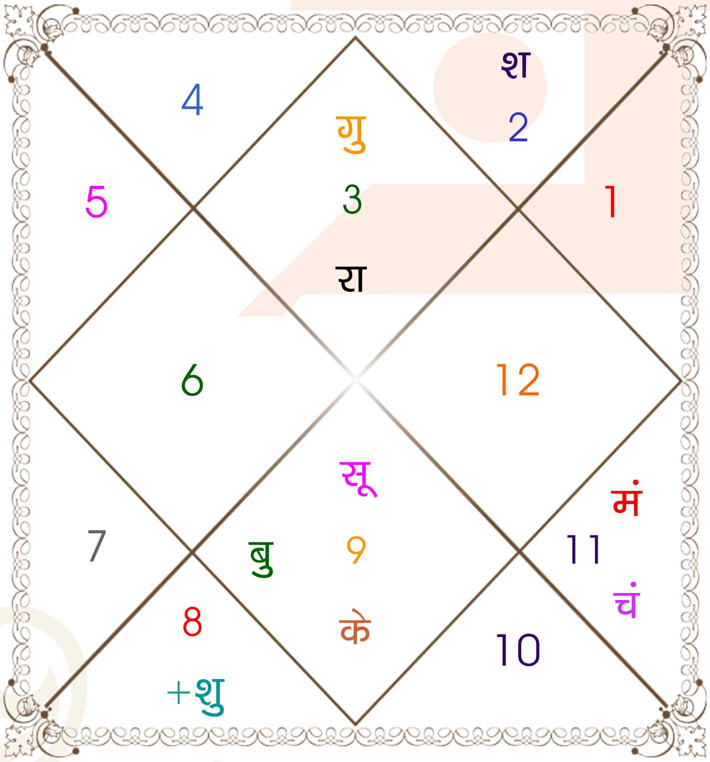

चन्द्र कुंडली

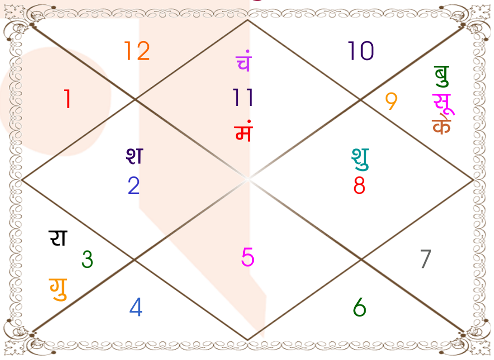

नवमांश कुंडली

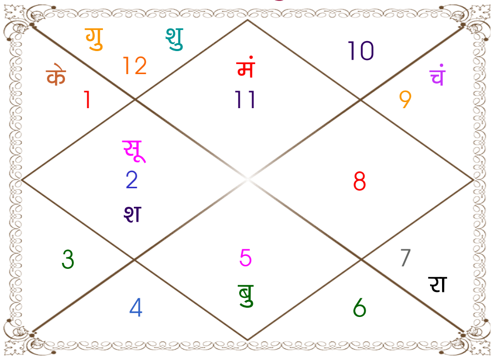

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 7 मास 25 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
20/12/2001	**15/08/2016**	**15/08/2032**	**16/08/2051**	**15/08/2068**
15/08/2016	**15/08/2032**	**16/08/2051**	**15/08/2068**	**16/08/2075**
20/12/2001	गुरु 04/10/2018	शनि 19/08/2035	बुध 12/01/2054	केतु 12/01/2069
गुरु 22/09/2003	शनि 16/04/2021	बुध 28/04/2038	केतु 09/01/2055	शुक्र 14/03/2070
शनि 29/07/2006	बुध 23/07/2023	केतु 07/06/2039	शुक्र 09/11/2057	सूर्य 19/07/2070
बुध 14/02/2009	केतु 28/06/2024	शुक्र 07/08/2042	सूर्य 15/09/2058	चंद्र 18/02/2071
केतु 04/03/2010	शुक्र 27/02/2027	सूर्य 20/07/2043	चंद्र 15/02/2060	मंगल 17/07/2071
शुक्र 04/03/2013	सूर्य 16/12/2027	चंद्र 17/02/2045	मंगल 11/02/2061	राहु 03/08/2072
सूर्य 27/01/2014	चंद्र 16/04/2029	मंगल 29/03/2046	राहु 31/08/2063	गुरु 10/07/2073
चंद्र 29/07/2015	मंगल 23/03/2030	राहु 02/02/2049	गुरु 06/12/2065	शनि 19/08/2074
मंगल 15/08/2016	राहु 15/08/2032	गुरु 16/08/2051	शनि 15/08/2068	बुध 16/08/2075

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
16/08/2075	**16/08/2095**	**17/08/2101**	**17/08/2111**	**17/08/2118**
16/08/2095	**17/08/2101**	**17/08/2111**	**17/08/2118**	**00/00/0000**
शुक्र 16/12/2078	सूर्य 04/12/2095	चंद्र 17/06/2102	मंगल 13/01/2112	राहु 29/04/2121
सूर्य 16/12/2079	चंद्र 03/06/2096	मंगल 16/01/2103	राहु 31/01/2113	गुरु 21/12/2121
चंद्र 16/08/2081	मंगल 09/10/2096	राहु 17/07/2104	गुरु 07/01/2114	00/00/0000
मंगल 16/10/2082	राहु 03/09/2097	गुरु 16/11/2105	शनि 15/02/2115	00/00/0000
राहु 15/10/2085	गुरु 22/06/2098	शनि 17/06/2107	बुध 13/02/2116	00/00/0000
गुरु 15/06/2088	शनि 04/06/2099	बुध 16/11/2108	केतु 11/07/2116	00/00/0000
शनि 16/08/2091	बुध 11/04/2100	केतु 17/06/2109	शुक्र 10/09/2117	00/00/0000
बुध 16/06/2094	केतु 16/08/2100	शुक्र 15/02/2111	सूर्य 16/01/2118	00/00/0000
केतु 16/08/2095	शुक्र 17/08/2101	सूर्य 17/08/2111	चंद्र 17/08/2118	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 7 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।